संरक्षक की कलम से.....

बारिश की रिमझिम फुहारों एवं इन्द्रधनुषी छटा के साथ "दिशा" संयुक्तांक 2018 आपके समक्ष रखते हुए मैं हर्ष एवं गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूँ। हम सभी का संवैधानिक दायित्व है कि हमसब राजभाषा को कार्यालयीन एवं दैनिक क्रियाकलापों में अधिक से अधिक प्रयोग करें। हिन्दी के प्रयोगों को लेकर नित्य नए प्रयास हो रहे हैं और निःसदेंह इस कार्यालय में हिन्दी का स्थान सर्वोपरि है।

कार्यालयीन पत्रिका एक ऐसा मंच है जहाँ अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों की रचनात्मकता की अभिव्यक्ति होती है। पत्रिका के सफल प्रकाशन में संपादक मंडल और सभी रचनाकारों को धन्यवाद एवं बधाई।

मैं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी यह पत्रिका हिन्दी के प्रगति पथ पर अग्रसर रहते हुए हमारे कार्यालयीन कार्य एवं राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार में सार्थक योगदान देगी।

शुभकामनाओं सहित आप सभी सुधि पाठकों को समर्पित।

(श्री चन्द्र मौलि सिंह)
महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)
झारखण्ड, राँची